★सुरक्षा★विकास★जागरण★एकता

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच

Forum for Awareness of National Security (FANS)
(Regd. No. S/1723/District South/2014)
101, H.I.G. DDA Flats, Block-1,
Motia Khan, Paharganj Pin Code. 110055.
M: 8178828297, 8375965010 Ph: 011-43524524

प्रस्ताव क्र-.१

विस्तारवादी चीन

वर्ष १९४९ में चीन स्वतन्त्र होने के बाद से ही अपनी विस्तारवादी नीति के अंतर्गत दूसरों के क्षेत्र पर अपने पैर पसारने लगा | उसने वर्ष १९५४ में तिब्बत और फिर बाद में अक्साई चीन तथा तमाम द्वीपों पर अनाधिकृत रूप से आधिपत्य जमा लिया | एक ओर चीन भारत द्वारा प्रस्तावित पंचशील के सिद्धांतों पर हस्ताक्षर करता है, वहीं दूसरी ओर वर्ष १९६२ में भारत पर अकारण आक्रमण कर के लद्दाख क्षेत्र में ४०,००० वर्ग कि. मी. भूभाग पर कब्जा कर लिया तथा अन्य क्षेत्रों में ९०,००० वर्ग कि. मी. भू भाग पर दावा पेश कर दिया | उसने अनाधिकृत रूप से कई द्वीपों पर कब्जा कर के वहां युद्ध सामग्री जैसे रडार, मिसाइल, टोह लेने वाले अन्य संयंत्र लगा लिए हैं| वहां हवाई पट्टी बना कर विमान तैनात कर दिए हैं, ताकि उसे वहां से उड़ान भरने में सुविधा हो | हिन्द महासागर पर भी वह अपना अधिकार जता रहा है | सभी विवादास्पद समस्याओं को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने के भारत के सभी प्रस्तावों की अनदेखी कर रहा है | समय समय पर भारत की सीमाओं का अतिक्रमण कर के उन क्षेत्रों पर अपना कब्जा करना चाहता है | अभी हाल में ही उसने भारत के दोकलम क्षेत्र में घुस कर वहां अपना अधिकार ज़माना चाहता था, जिसे भारतीय सेनाओं ने विफल कर दिया। भारत, चीन के साथ मधुर सम्बन्ध बनाना चाहता है, यहां तक कि उसने संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सदस्यता को भी चीन के सुपुर्द कर दिया परंतु वह क्षद्म रूप से भारत के भूभाग पर ही नहीं, अन्य राष्ट्रों के भूभाग पर भी कब्जा कर रहा है | व्यापार के नाम पर उसने बेल्ट एंड रोड नाम की एक योजना बनाई और भारत को उसमे सम्मिलित होने के लिए कहा परंतु हमारे प्रधान मंत्री ने चीन के इस प्रस्ताव को नकार दिया क्योंकि यह रास्ता हमारे उस क्षेत्र से जाता है, जिस पर पाकिस्तान अवैध रूप से काबिज है| वह एक महान राष्ट्र बनना चाहता है और पूरे विश्व पर अपना आधिपत्य स्थापित करना चाहता है | इसीलिये वह अपनी सुरक्षा आवश्यकता से अधिक हथियार बना रहा है तथा हथियारों का आधुनिकीकरण भी कर रहा है || वह दूसरे देशों को उनकी हैसियत से अधिक ऋण ब्याज पर देकर उनके साथ साझा रूप से

प्रोजेक्ट शुरू करता है और जब बाद में वे ब्याज नहीं अदा कर पाते हैं तब समूजे प्रोजेक्ट पर शर्तों के अनुसार अपना कब्जा कर लेता है जैसा कि उसने श्रीलंका के हम्बंतोता तथा पाकिस्तान के ग्वाडार बंदरगाहों पर किया है | अब समय आगया है कि सभी राष्ट्र एक जुट होकर चीन पर राजनीतिक दबाव डालें तथा सभी समस्याओं का समाधान निकालें ।राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच चीन के क्रियाकलापों पर विस्तृत चर्चा कर के निम्नलिखित प्रस्ताव पारित करता है |

1. भारत सरकार तत्परता से राजनैतिक तथा आर्थिक दबाव डालकर अपने खोए हुए क्षेत्र को चीन से वापस ले |
2. चीन द्वारा हमारे आंतरिक मामलों में हस्तकक्षेप का पुरजोर विरोध करे |
3. हमें अपनी सुरक्षा सेनाओं को अधिक सुद्रढ़ और शक्तिशाली बनाना होगा तथा अपने द्वीप समूहों को सुरक्षा के द्रष्टिकोण से अंडमान द्वीप समूहों के तर्ज पर विकसित करना होगा |
4. उत्तरपूर्वी राज्यों तथा शेष भारत के मध्य यातायात के साधनों को विकसित और सुरक्षित करना पड़ेगा | बंगला देश से मिलकर चिकेन नेक, जो उत्तरपूर्वी तथा शेष भारत को जोड़ती है, को और चौड़ा करना पडेगा |
5. अग्रिम चौकियों को सड़क तथा संचार संबंधी सुविधाओं से और अधिक विकसित करना होगा।
6. हमारे चीन के सीमावर्ती क्षेत्र को सुरक्षा तथा आर्थिक रूप से और अधिक विकसित करना होगा । वहां स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार को विकसित करने की आवश्यकता है |
7. हमें किसी भी सूरत में चीन के 'बेल्ट तथा रोड' प्रोजेक्ट के प्रस्ताव में न तो सम्मिलित होना चाहिए और न ही उसको इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति देनी चाहिए क्योंकि वह हमारे पाकिस्तान द्वारा कब्जे वाले क्षेत्र से गुजरता है | भारत तथा चीन के मध्य व्यापार संबंधी विसंगतियों को शीघ्र सुलझाना होगा |
8. भारत में निर्मित वस्तुओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर अधिक शुल्क लगाना होगा |
9. कैलाश मानसरोवर भारत का धार्मिक क्षेत्र है । वह कभी भी चीन का हिस्सा नहीं था। सरकार को मानसरोवर क्षेत्र को चीन से वापस लेने के प्रयास करने चाहिए |
10. चीन भारत को बहुत अधिक मात्रा में मोबाइल टेलीफोन निर्यात करता है | हमारे नागरिकों को संदेह है कि उसमे जासूसी वाला कोइ सयंत्र लगा रहता है। | उनकी इस आशंका का निराकरण करना होगा और साथ ही देश में ही मोबाइल, कंप्यूटर आदि को अधिक मात्रा में बनाना होगा |
11. तिब्बत के उद्गम वाली ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों पर, जो भारत में आती हैं, चीन बाँध के निर्माण का प्रयास कर रहा है । इससे हमारी नदियों का जल प्रवाह बाधित होगा । हमें उसका विरोध करना होगा |